Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of Performing Ar t- First Year

Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) (Private)

2020-2021

Paper S. N.	Core/Subject Section-"A"	Total Marks	Min Passing Marks
	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)		
1.	I- History & development of Indian Music	100	36
2.	II- Applied Principles of Indian Music	100	36
	Technical Terms Core-2 Practical		
	Vocal/Instrumental Technique		
3.	I- Demonstration &Viva	100	36
4.	II- Stage Performance	100	36
	III- Lecture Demonstration (Lecdem)	100	36
	Grand Total	500	180

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) स्वाध्यायी

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental प्रथम वर्ष

गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र

(संगीत का विज्ञान/Science of music)

2020-2021

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. संगीत की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मान्यताओं, भारतीय एवं पाष्चात्य मतों का परिचय। प्राग्वैदिक, वैदिक, षिक्षा, पौराणिक, रामायण, मौर्य एवं गुप्त काल के भारतीय संगीत का परिचय।
2. भरतकृत नाट्यषास्त्र का सामान्य परिचय व संगीत से संबंधित अध्यायों की विषेष सामग्री की जानकारी। वृहदेषी, संगीत रत्नाकार एवं संगीत राज ग्रंथो का परिचय।
3. भारतीय की दो धाराओं गांधर्व एवं गान तथा मार्ग एवं देषी का अध्ययन। जाति का परिभाषा, लक्षण तथा भेद। ग्राम राग (पंचगीति) और देषी राग का वर्गीकरण का अध्ययन।
4. ग्राम एवं मूर्छना की परिभाषा तथा उनके प्रकार। ग्रम की लोकविधि के आधार पर बनने वाली चौरासी शुद्ध तानों का ज्ञान। वर्तमान में प्रचलित किसी एक थाट में मूर्छना के आधार पर अन्य थाटों की उत्पत्ति।
5. स्वर प्रस्तार, खण्डमेरू, नष्ट एवं उद्दिष्ट विधि का अध्ययन।
6. भारतीय संगीत में वाद्यों के वर्गीकरण का विष्लेषणात्मक अध्ययन व वित्त वाद्य का स्पष्टीकरण। मध्यकालीन ग्रन्थों के आधार पर एकतंत्री, आलापनी, किन्नरी, त्रित्रन्त्री, पिनाकी, वंष एवं मधुकरी वाद्यों का अध्ययन।
7. राम चतुर मलिक, उस्ताद जिया मोईनुद्दीन डागर, उस्ताद बहराम खाँ, पं. एस.एन. रातंजनकर, पं. भीमसेन जोषी, संत पुरंदर दास, संत त्यागराज, श्याम शास्त्री, मुत्तु स्वामी दीक्षित का सांगीतिक योगदान।
8. दिये गये पद्यांष अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम से उपयुक्त राग ताल को चुनकर उसमें निबद्ध करना।
9. पाठ्यक्रम के रागों में उच्चस्तरीय आलाप लेखन।
10. न्यूनतम 600 शब्दों में संगीत विषयक निबंध।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) स्वाध्यायी

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental प्रथम वर्ष

गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र

(संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत/Applied Principle of IndianMusic)

समयः– 3 घण्टे पूर्णाक :–100

1. रागांग वर्गीकरण का परिचय। कल्याण, भैरव, तोड़ी रागांगो का विषेष अध्ययन तथा इन अंगो के अंतर्गत आने वाले रागों का विष्लेषात्मक अध्ययन।
2. पं. भातखण्डे जी द्वारा निर्दिष्टि हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के सर्वसाधारण नियम।
3. घराने का अर्थ एवं महत्व। ख्याल गायन के दिल्ली, ग्वालियर तथा पटियाला घरानों की जानकरी। तानसेन और उनके वंषजो की षिष्य परंपरा की जानकारी। सोनिया घराने के मुख्य कलाकारों का परिचय।
4. बीन (रूद्रवीणा) का रामपुर घराना इमदादखनी सितार एवं सुरबहार का घराना एवं हाफिज अली के सरोद घरानों का अध्ययन।
5. प्रमुख शहनाई वादकों का परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदान।
6. काकु, कुतुप, वृन्द का शास्त्रीय परिचय। सरोद, संतूर, विचित्र वीणा, तानपुरा, बेला (वायलिन), इसराज, दिलरूबा, बांसुरी वाद्यों की उत्पत्ति एवं विकास का अध्ययन।
7. विभिन्न प्रकार की बंदिषों एवं गतों का विष्लेशणात्मक अध्ययन, काव्य और संगीत तथा छंद और ताल का संबंध।
8. भारतीय संगीत के लिए आवष्यक कंठ संस्कार की विधि। स्वरोत्पादक यंत्र का सामान्य परिचय। श्वसन क्रिया, कंठ विकार के कारण एवं निदान।
9. तान एवं तिहाई रचना। (विभिन्न तालों में विभिन्न मात्राओं से भिन्न–भिन्न प्रकार की तान एवं तिहाई बनाकर स्वर ताल में निबद्ध करना)।
10. निम्नलिखित रागों का विस्तृत शास्त्रीय विवरण तथा पूर्व पाठ्यक्रमों से समानता रखने वाले रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन।
    1. पुरिया कल्याण 2. अहीर भैरव 3. मारू बिहाग 4. बिलासखानी तोड़ी 5. जोग 6. देसी 7. बसंतमुखारी 8. शुद्धकल्याण 9. बैरागी भैरव 10. गुर्जरी तोड़ी 11. भूपालीतोड़ी 12. झिझोंटी 13. नंद 14. सोहनी 15. शंकरा 16. कलावती 17. हंसध्वनि।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) स्वाध्यायी

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental प्रथम वर्ष

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Demostration & Viva –*1*

(प्रायोगिक :–1 प्रदर्शन एवं मौखिक)

समयः– 30 मिनिट पूर्णांक :–100

1. पूर्ण पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पूर्व पाठ्यक्रम से समानता रखने वाले रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन–
2. निम्नलिखित रागों में से एक बड़ा ख्याल या विलंबित रचना (गत) तथा एक छोटा ख्याल या मध्य लय की रचना (गत) का विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रदर्षन :– 1. पुरिया कल्याण 2. अहीर भैरव 3. मारू बिहाग 4. बिलासखानी तोड़ी 5. जोग 6. देसी 7. बसंतमुखारी 8. नंद
3. निम्नलिखित रागों का सामान्य परिचय एवं मध्य लय की रचना का आलाप तान/तोड़ों सहित प्रदर्षन 1. शुद्धकल्याण 2. श्यामकल्याण 3. बैरागी भैरव 4. गुर्जरी तोड़ी 5. भूपालीतोड़ी 6. झिझोंटी 7. नंद 8. सोहनी 9. शंकरा 10. कलावती 11. हंसध्वनि।
4. राग खमाज, भैरवी, पहाड़ी अथवा षिवरंजनी में से किसी एक राग में ठुमरी या टपपा का गायन। वाद्य के विद्यार्थी द्वारा इन रागों में से किसी एक राग में ठुमरी शैली की बंदिष अथवा धुन का प्रदर्षन।
5. उपयुक्त रागों में से किसी एक राग में एक ध्रुपद एक धमार (उपज सहित) एक तराने एवं एक त्रिवट/चतुरंग का विस्तृत गायकी सहित प्रदर्षन अथवा अपने वाद्य पर तीन ताल के पृथक अन्य दो तालों में रचनाओं का आलाप–तान सहित वादन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) स्वाध्यायी

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental प्रथम वर्ष

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Stage Performance–2

(प्रायोगिक :–2 मंच प्रदर्शन)

समयः– 20 मिनिट पूर्णांक :–100

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी/तंत्रकारी सहित) प्रदर्षन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये पांच रागों में से किसी एक राग की गायकी/तत्रंकारी के साथ प्रस्तुति।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसी एक राग में ठुमरी, टपपा अथवा ठुमरी शैली पर आधारित रचना अथवा धुन का प्रदर्षन।
4. वाद्य मिलाने का अभ्यास।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) स्वाध्यायी

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental प्रथम वर्ष

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Letcure & Demostration –3 (लेक्डेम)

(प्रदर्शनात्मक व्याख्यान/परियोजना कार्य)

समयः– 20 मिनिट पूर्णांक :–100

यह प्रायोगिक लेक्चर डेमोन्सट्रेषन (लेक्डेम) के रूप में होगा जिसमें विद्यार्थी अपनी कला से सम्बन्धित किसी भी षीषक (जैसे – षास्त्रीय संगीत, उप षास्त्रीय संगीत, टप्पा, रविन्द्र संगीत, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक वाद्य चित्रपट संगीत, म्यूजिक लेसन प्लान आदि) पर लेक्चर के साथ अपनी कला का प्रदर्षन करेगा (पी. पी.टी. के साथ भी प्रदर्षन कर सकता है) जिससे विद्यार्थीयों का कौषल विकास (स्किल डेवलपमेंट) और भविष्य में षोध आदि कार्य करने में यह प्रष्नपत्र वैज्ञानिक एवं सहायक सिद्ध होगा लेक्चर डेमोन्सट्रेषन तैयार करने के लिए भिन्न–भिन्न किताबों का अध्ययन करके बुक रिफरेन्स के साथ नोट्स बनाना होगा जिसकी एक प्रति अपने कक्ष अध्यापक के पास जमा करना अनिवार्य है।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
4. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – पं. श्री रामाश्रय झा
5. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
6. वाद्य वर्गीकरण – श्री लालमणि मिश्र
7. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
8. संगीतान्जली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
9. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवागंन
10. भारतीय संगीत का इतिहास – श्री उमेश जोशी
11. निबंध संगीत – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
12. निबंध संगीत – श्री आर. एन. अग्निहोत्री
13. तन्त्री वादन की वादन कला – डॉ. प्रकाश महाडिक
14. भावरंग लहरो – पं. बलवंतराय भट्ट ''भावरंग''
15. ग्वालियर घराने के वाग्गेयकार रचनाकार – डॉ. अभय दुबे
16. स्ंगीत मणि भाग 1 व 2 – डॉ. महारानी शर्मा
17. भारतीय संगीत एक ऐतिहासिक विष्लेषण – प्रो. डॉ. स्वतंत्र शर्मा
18. भारतीय संगीत वैज्ञानिक विष्लेषण – प्रो. डॉ. स्वतंत्र शर्मा

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of Performing Ar t- First Year

Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) (Private)

2020-21

Paper S. N.	Core/Subject Section-"A"	Total Marks	Min Passing Marks
	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion		
1.	I- History & development of Indian Music	100	36
2.	II- Applied Principles of Indian Music	100	36
	Technical Terms Core-2 Practical		
	Vocal/Instrumental Technique		
3.	I- Demonstration &Viva	100	36
4.	II- Stage Performance	100	36
	III- Lecture Demonstration (Lecdem)	100	36
	Grand Total	500	180

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) स्वाध्यायी
M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental अंतिम वर्ष
गायन/स्वरवाद्य–प्रथम प्रश्न पत्र)
(संगीत का विज्ञान/ Science of Music)

समयः– 3 घण्टे | पूर्णांक :–100

1. श्रुति और स्वर का संबंध तथा श्रुति और स्वर पर विभिन्न ग्रंथकारों के विचार। श्रुतियों के विभिन्न नाप (प्रमाण श्रुति उपमहती श्रुति और महती श्रुति) भरत, शारंगदेव, रामामात्य, व्यकंटमखी और अहोबल के शुद्ध विकृत स्वरों का अध्ययन।
2. प्रबंध की परिभाषा एवं प्रकार। प्रबंध के धातु एवं अंगो का परिचय। ध्रुपद–धमार की उत्पत्ति एवं विकास तथा ध्रुपद की बानियों एवं वर्तमान में प्रचलित परम्पराओं (दरभंगा, डागर, विष्णुपुर और हवली) का अध्ययन। ध्रुपद शैली का ख्याल और वादन की शैलियों पर हुए प्रभाव का विवेचन।
3. मध्ययुग में भारतीय संगीत पर विदेषी संगीत के प्रभाव का अध्ययन।
4. 'स्वरमेल कलानिधी' 'राग तरंगिणी', 'संगीत पारिजात' एवं 'चतुर्दण्डिप्रकाषिका', 'संगीत दर्पण' एवं 'रागविबोध' ग्रंथो का परिचय।
5. मार्ग ताल एवं देषी ताल पद्धति का परिचय एवं ताल के दस प्राणों का अध्ययन। कर्नाटक संगीत पद्धति के प्रमुख गीत प्रकारों का अध्ययन।
6. 'अष्टछाप' के संत कवियों के संगीत संबंधित विषयों का परिचय।
7. अबुल फजल, सवाई प्रताप सिंह देव, विलियम जोन्स, कैप्टन विलर्ड, एस.एम.टैगोर, इक्लीमेंट्स, पंडित ओंकारनाथ ठाकुर, पं. कुमार गंधर्व, उस्ताद अमीर खां (गायन), आचार्य बृहस्पति, श्री पी. साम्बामूर्ति और डॉ. प्रेमलता शर्मा द्वारा किए गए सांगीतिक कार्यो का परिचय।
8. न्यूनतम 600 शब्दों में संगीत विषयक निबंध।
9. दिए गए पद्यांष अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम से उपयुक्त राग व ताल को चुनकर उसमें निबद्ध करना।
10. पाठ्यक्रम के रागों में उच्चस्तरीय आलाप लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) स्वाध्यायी

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental अंतिम वर्ष

(गायन/स्वरवाद्य–द्वितीय प्रश्न पत्र)

(संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत/Applied Principle of Indian Music**)**

समयः– 3 घण्टे पूर्णाक :–100

1. राग–रागिनी वर्गीकरण, मेल राग वर्गीकरण एवं थाट–राग वर्गीकरण का अध्ययन रागांग वर्गीकरण के अंतर्गत सारंग मल्हार एवं कान्हडा रागांगो का अध्ययन।
2. ख्याल गायन के आगरा, किराना तथा जयपुर घरानों का परिचय एवं उनकी गायन शैलियों का अध्ययन। बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ का (सितार–सरोद) घराना, उस्ताद मुष्ताक अली खाँ का (सितार) घराना एवं प्रमुख सारगी, बेला (वायलिन) तथा बांसुरी वादकों का शैलीगत परिचय एवं उनका सांगतिक योगदान।
3. भारतीय संगीत में वृन्दगान एवं वृन्दवादन। रूद्रवीणा, सितार, सुरबहर, सारंगी, शहनाई वाद्यों की उत्पत्ति और विकास का अध्ययन। आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वाद्यों की जानकारी।
4. सौन्दर्य शास्त्र का परिचय, कला की परिभाषा, कलाओं की संख्या और प्रकार। रस की परिभाषा व भेदों का सामान्य अध्ययन। रस और सगीत का संबंध तथा इस विषय पर आधुनिक विचारधारा का अध्ययन।
5. शोध प्रविधि का सामान्य अध्ययन–अनुसंधान की परिभाषा एवं प्रक्रिया। भारतीय संगीत में शोध की दिषाएं। शोध विषय का चयन। शोध विषय की रूपरेखा।
6. तान एवं तिहाई रचना। (विभिन्न तालों में विभिन्न मात्राओं से भिन्न–भिन्न प्रकार की तान एवं तिहाई बनाकर स्वर ताल में निबद्ध करना)
7. निम्नलिखित रागों का विस्तृत शास्त्रीय विवरण तथा पूर्व पाठ्यक्रमों से समानता रखने वाले रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन।
    1. दरबारी कान्हाड़ा 2. मियॉ मल्हार 3. शुद्ध सारंग 4. रागेश्री 5. जोगकौन्स 6. भटियार 7. कौन्सी कान्हड़ा 8. गौड़ सारग 9. आभोगी कान्हड़ा 10. नायकी कान्हड़ा 11. गौड मल्हार 12. मेघ मल्हार 13. मध्यमादी सारंग 14. मधुकौन्स 15. कोमल रिषभ आसावरी 16. गुणकली (गुणकी भैरव थाट) 17. विभास (भैरव) 18. परज।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) स्वाध्यायी
M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental अंतिम वर्ष
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Demostration & Viva– 1

(प्रायोगिक :–1 प्रदर्शन एवं मौखिक)

समयः– 30 मिनिट | पूर्णांक :–100

1. पूर्ण पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति पूर्व पाठ्यक्रम से समानता रखने वाले रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन–निम्नलिखित रागों में से एक बड़ा ख्याल या विलंबित रचना (गत) तथा एक छोटा ख्याल या मध्य लय की रचना (गत) का विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रदर्षन :–

   अ) दरबारी 2. कान्हड़ा 3. शुद्ध सारंग 4. रागेश्री 5. जोग कौन्स 6. भटियार 7. कौन्सी कान्हड़ा 8. गौड़ सारंग 9. मधुकोष

   (ब) निम्नलिखित रागों का सामान्य ज्ञान एवं मध्यलय की रचना का आलाप–तान सहित प्रदर्षन।

   1. अभोगी कान्हड़ा 2. नायकी कान्हड़ा 3. गौड़ मल्हार 4. मेघ हल्हार 5. मध्यमादी सारंग 6. मधुकौन्स 7. मधुवंती 8. कोमल रिषभ आसावरी 9. गुणकली (गुणक्री भैरव थाट) 10. विभास 11. परज।

   (स) राग देष तिलंग, भैरवी एवं पीलू में से किसी एक राग में ठुमरी का गायन। वाद्य के विद्यार्थी द्वारा इन रागों मे से किसी एक राग में ठुमरी शैली का वादन या धुन का प्रदर्षन।

   2. उपयुक्त रागों म से एक ध्रुपद, एक धमार (उपज सहित) एवं एक तराने, त्रिवट/चतुरंग का विस्तृत गायकी सहित प्रदर्षन अथवा अपने वाद्य पर तीनताल से पृथक अन्य दो तालों में रचनाओं का आलाप–तान सहित वादन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) स्वाध्यायी

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental अंतिम वर्ष

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Stage Performance – 2

(प्रायोगिक :–2 मंच प्रदर्शन)

समयः– 20 मिनिट पूर्णांक :–100

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग चुनकर 30 मीनिट में विलंबित एवं मध्यलय की रचना का (विस्तृत गायकी/तंत्रकारी सहित) प्रदर्षन।
2. परीक्षक द्वारा दिए गए पांच रागों में से किसी एक राग की गायकी/तंत्रकारी के साथ प्रस्तुति।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में स किसी एक राग में ठुमरी, टपपा अथवा ठुमरी शैली पर आधारित रचना अथवा धुन का प्रदर्षन।
4. अपने वाद्य को मिलाने का अभ्यास।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A.* *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) स्वाध्यायी

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental *अंतिम वर्ष*

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Letcure & Demostration –*3*

(प्रदर्शनात्मक व्याख्यान/परियोजना कार्य)

समयः– 30 मिनिट | पूर्णाक :–100

यह प्रायोगिक लेक्चर डेमोन्सट्रेषन (लेक्डेम) के रूप में होगा जिसमें विद्यार्थी अपनी कला से सम्बन्धित किसी भी 'षीषक (जैसे – षास्त्रीय संगीत, उप षास्त्रीय संगीत, टप्पा, रविन्द्र संगीत, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक वाद्य चित्रपट संगीत, म्यूजिक लेसन प्लान आदि) पर लेक्चर के साथ अपनी कला का प्रदर्षन करेगा (पी.पी.टी. के साथ भी प्रदर्षन कर सकता है) जिससे विद्यार्थीयों का कौषल विकास (स्किल डेवलपमेंट) और भविष्य में षोध आदि कार्य करने में यह प्रष्नपत्र वैज्ञानिक एवं सहायक सिद्ध होगा लेक्चर डेमोन्सट्रेषन तैयार करने के लिए भिन्न–भिन्न किताबों का अध्ययन करके बुक रिफरेन्स के साथ नोट्स बनाना होगा जिसकी एक प्रति अपने कक्ष अध्यापक के पास जमा करना अनिवार्य है।

संदर्भ ग्रथं

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
4. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
5. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
6. वाद्य वर्गीकरण – श्री लालमणि मिश्र
7. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
8. संगीतान्जली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
9. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवागंन
10. भारतीय संगीत का इतिहास – श्री उमेश जोशी
11. निबंध संगीत – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
12. निबंध संगीत – श्री आर. एन. अग्निहोत्री
13. तन्त्री वादन की वादन कला – डॉ. प्रकाश महाडिक
14. भावरंग लहरो – पं. बलवंतराय भट्ट ''भावरंग''
15. ग्वालियर घराने के वाग्गेयकार रचनाकार – डॉ. अभय दुबे
16. संगीत मणि भाग 1 व 2 – डॉ. महारानी शर्मा
17. भारतीय संगीत एक ऐतिहासिक विश्लेषण – प्रो. डॉ. स्वतंत्र शर्मा
18. भारतीय संगीत वैज्ञानिक विश्लेषण – प्रो. डॉ. स्वतंत्र शर्मा